INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date :15.04.25
Question Bank	**Topic:** भगवान के डाकिए	**Note: Pls. write in your Hindi note book**

प्रश्न अभ्यास

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्र-1 पक्षी और बादल क्या करते हैं?

उ-1 पक्षी और बादल भगवान के संदेश पहुँचाते हैं|

प्र-2 पेड़-पौधे हमें क्या देते हैं?

उ- पेड़-पौधे हमें फल-फूल देते हैं|

प्र 3- पहाड़ हमारे लिए क्या करते हैं?

उ- पहाड़ हमारी रक्षा करते हैं|

प्र-4 भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?

उ भगवान के डाकिए पक्षी और बादल को कहा गया है|

प्र-5 सौरभ किसकी पाँखों पर तिरता है ?

उ - सौरभ पक्षियों की पाँखों पर तिरता है l

लघु प्रश्नोत्तर

प्र॰6 पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं? सोचकर लिखिए।

उत्तर – पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ ही पढ़ पाते हैं, हम उनकी भाषा समझें या नहीं किंतु वे उनकी भाषा को अच्छी तरह से समझ जाते हैं।

प्र॰7 "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है''- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है", से कवि का भाव यह है कि जब एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजने में भेदभाव नहीं करती तो हमें भी भेदभाव नहीं करना चाहिए| यहाँ 'सुगंध' प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है।

प्र.8 पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते

हैं?

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यही संदेश देते हैं।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्र॰9 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़ -पौधे, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों में प्रेम,एकता और भाईचारा का संदेश होता है जिसे पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं भगवान पूरे विश्व को एक मानकर अपना प्रेम सभी में बराबर बाँटते हैं। इस पर अमल करते हुए पेड़-पौधे सबको समान भाव से फल-फूल देते हैं,नदियाँ सबको समान रूप से पानी देती हैं, पहाड़ सबकी रक्षा के लिए समान रूप से खड़े रहते हैं |

प्र॰10 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए माना है क्योंकि ये उनका संदेश एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने में सहायता करते हैं। बादल शीतलता का संदेश देते हैं और पक्षी अपने पंखों पर सुगंधित वायु को लेकर एक देश से दूसरे देश जाते हैं। यहाँ कवि कहना चाहते हैं कि जिस तरह पक्षी और बादल भेदभाव नहीं करते हैं उसी तरह हमें भी नहीं करना चाहिए |

प्रश्न 11. भगवान के डाकिए कविता से आपको क्या संदेश मिलता है?

उत्तर – भगवान के डाकिए कविता से यह संदेश मिलता है कि हमें अपने स्वार्थ, अपने-पराए की भावना को छोड़कर सबके साथ समानता तथा प्रेम का व्यवहार करना चाहिए । जिस प्रकार प्रकृति अपने पराए का भेदभाव किए बिना अपना खजाना लुटाती है ऐसे ही हमें जाति, धर्म, भाई-भतीजावाद आदि की भावना से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए। जिससे हमारे कार्यों की महक चारों ओर फैल जाए।

==========